हर निवेशक को 'सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड' की पूरी गारंटी : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : 'उत्तर प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। यह राज्य ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलिवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है। यूपी सरकार यहां आने वाले हर निवेशक को ट्रिपल एस (SSS) यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूरी गारंटी देती है।' उप्र फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 का उद्घाटन करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही। कॉन्क्लेव में फॉर्मा इंडस्ट्री के देशभर से जुटे दिग्गजों को सीएम ने यूपी में निवेश करने पर सिंगल विंडो सिस्टम के तहत हर तरह के क्लियरेंस समेत हर तरह की मदद का भरोसा दिलाया।

सीएम ने कहा कि यूपी ईरेगुलेशन रैंकिंग में देश में नंबर वन राज्य बनने के साथ ही ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर बन चुका है। MSME सेक्टर में निवेश करने वाले उद्यमियों को 1000 दिनों तक निरीक्षण से छूट दी गई है। सीएम ने कहा कि निवेश और उद्योग के लिए मुफीद माहौल बनाया गया, जिसका नतीजा हुआ कि साल 2017 से पहले यूपी में केवल 14,000 कारखाने थे जो आज बढ़कर 30,000 से ज्यादा हो गए हैं।

दो साल में विकसित हो जाएगा 'बीडा'

बुंदेलखंड में नोएडा से भी बड़े क्षेत्रफल में बीडा (बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी) विकसित होगी। इसका क्षेत्रफल 56,000 एकड़ है। कॉन्क्लेव में सीएम योगी आदित्यनाथ ने दो साल के भीतर इसका काम पूरा होने का दावा किया। इसके अलावा ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क का जिक्र करते हुए कहा कि इसे हब ऐंड स्पोक मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क, यूएस एफडीए टेस्टिंग लैब और वर्ल्ड क्लास लॉजिस्टिक्स हब विकसित किए जा रहे हैं। इसके अलावा लखनऊ में विश्व स्तरीय फॉर्मा इंस्टिट्यूट भी बनेगा।

'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' में फार्मा इंडस्ट्री के देशभर से दिग्गज जुटे

'भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा'

अमेरिका की तरफ से टैरिफ घटाने का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि यह नया भारत है किसी के आगे नहीं झुकेगा। भारत अपनी नीतियों पर अडिग था, और इसका परिणाम है 'सत्यमेव जयते'। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि साल 2014 से पहले जिस भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, आज वही भारत अपनी नीतियों पर दृढ़ रहते हुए वैश्विक शक्तियों को भी संवाद और सहयोग के लिए विवश कर रहा है।

इंडस्ट्री लगाने वालों को होगा फायदा: ब्रजेश पाठक

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि 8 वर्षों में यूपी काफी बदला है। पहले टूटी सड़कें, बिजली संकट और कनेक्टिविटी की समस्या थी। अब 24 घंटे बिजली आ रही, एक्सप्रेस-वे का जाल बिछ गया है। रेल नेटवर्क-हवाई कलेक्टिविटी अच्छी है। आज अपराधी जेल में है या अपनी जगह पहुंच चुका है। सुरक्षित माहौल में आप इंडस्ट्री लगाएंगे तो फायदा ही फायदा है। आप जो दवा यहां बनाएंगे उसे सरकार प्राथमिकता पर खरीदेगी। यूपी के मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन का बजट 1000 करोड़ रुपये है और इसमें इजाफा होना है।

10 हजार करोड़ के हुए एमओयू, निवेश संग मिलेंगी 20 हजार से ज्यादा नौकरियां

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : यूपी में फॉर्मास्युटिकल सेक्टर की कंपनियों ने 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश को लेकर सहमति दी है। 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' के दौरान दवा और फॉर्मा इक्विपमेंट से जुड़ी 11 कंपनियों ने 5,525 करोड़ रुपये के एमओयू कर लिया, जबकि बाकी के लिए जल्द ही दस्तावेज पूरे किए जाएंगे।

मंगलवार को एमओयू करने वाले अर्ना फार्मा व बायोजेंटा लाइफ साइंसेज ने 1,250-1,250 करोड़ रुपये, शुक्ल फार्मास्युटिकल्स ने 737 करोड़, वाल्टर बुशनेल इंटरप्राइज ने 590 करोड़, ज्ञानविका लैब्स ने 553 करोड़, कोरो हेल्थ ने 418 करोड़, मार्क लेबोरेटरीज ने 300 करोड़, हाई ग्लांस लैबोरेटरीज ने 120 करोड़, रासपा फार्मा ने 107 करोड़, रोमसंस मेडवर्ल्ड ने 100 करोड़ और कोटक हेल्थकेयर ने 100 करोड़ रुपये के निवेश का समझौता किया। दावा किया जा रहा है कि फॉर्मा सेक्टर में इस निवेश के साथ ही यूपी में करीब 20 हजार से ज्यादा नौकरियों के अवसर भी पैदा होंगे।

24 घंटे में खाली हुई 65 हजार एकड़ जमीन

सीएम ने कहा कि साल 2017 से पहले सरकारी जमीनों पर भूमाफिया का कब्जा था। लैंड बैंक जीरो था। सरकारी योजनाओं के लिए जमीन नहीं मिल पाती थी। सरकार बनने के बाद हमने भू-माफिया टास्क फोर्स गठित कर 24 घंटे में सरकारी जमीन छोड़ने का फरमान दिया और 65 हजार एकड़ जमीन खाली हो गई। इन जमीनों पर जनता के लिए सुविधाएं विकसित की गईं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को यूपी में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही ट्रांसपोर्टेशन की लगातार बेहतर होती तस्वीर के बारे में विस्तार से समझाया। सीएम ने कहा कि यूपी में एक्सप्रेस-वे का जाल बिछ गया है इसके साथ ही देश के ईस्ट-वेस्ट फ्रेट कॉरिडोर यूपी से होते हुए जाता है। गौतमनगर में लॉजिस्टिक का वर्ल्ड क्लास सेंटर विकसित किया जा रहा है। यूपी में बने फॉर्मा और मेडिसिन डिवाइस पार्क से अब तक सौ से अधिक कंपनियां जुड़ चुकी हैं। इसके अलावा लखनऊ को लखनऊ में एक विश्व स्तरीय फॉर्मा इंस्टिट्यूट बनाने के साथ ही गौतमबुद्ध नगर फार्मा पार्क की सुविधा को बढ़ाया जाएगा। यही नहीं, बरेली और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी फार्मा पार्क विकसित करने की योजना है। कॉन्क्लेव में आए देशभर के दिग्गज फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने यूपी की बदलती तस्वीर, मजबूत कानून व्यवस्था और निवेश के अनुकूल माहौल के लिए राज्य सरकार की कोशिशों को सराहा।

कार्यक्रम में सन फार्मास्युटिकल के चेयरमैन पद्मश्री दिलीप सांघवी, रैमकी ग्रुप के चेयरमैन अयोध्या रामा रेड्डी, मैनकाइंड फॉर्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, टोरेंट ग्रुप के वाइस चेयरमैन जैनल मेहता, डॉ.रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी और जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पंकज रमनभाई पटेल भी मौजूद रहे।